



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 25, 1974/माघ 5, 1895

No. 43] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 25, 1974/MAGHA 5, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th January 1974

S.O. 66(E)/IDRA/74/1.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/1. dated the 16th February, 1973, as amended by the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 671(E)/IDRA/73/3, dated the 31st October, 1973, the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) (hereinafter referred to as the said Act), had cancelled the exemption granted under sections 10, 11, 11A, and 13 of the said Act in respect of the industrial undertakings engaged in the manufacture of articles specified in Schedule V to the said notification;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking engaged in the manufacture of any article specified in the said Schedule V shall carry on the business of such undertaking except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government and in the case of State Governments except under and in accordance with the previous permission of the Central Government

[No. F. 12(108)/Lic.Pol./73]

N. N. TANDON, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1974

का० आ० 66 (अ)/आई० डी० आर० ए/74/1.—अतः केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 671 (ई)/आई डी आर ए/73/3, तारीख 31 अक्तूबर, 1973 द्वारा यथा संशोधित भारत सरकार के सतर्पण औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 98 (ई)आई० डी० आर ए/29ख/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 द्वारा, उक्त अधिसूचना की अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के विनिर्माण में लगे औद्योगिक उपक्रमों की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा, 10, 11, 11क और 13 के अधीन अनुदत्त छूट कर दी थी ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 29ख की उपधारा (2) के अनुसरण में, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास की अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसकी समाप्ति के पश्चात्, उक्त अनुसूची 5 में विनिर्दिष्ट, किसी वस्तु के विनिर्माण में लगे किसी औद्योगिक उपक्रम का कोई स्वामी, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त जारी की गई अनुज्ञप्ति के अधीन और उसके अनुसार के सिवाए, और राज्य सरकार की दशा में, केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुज्ञा के अधीन और उसके अनुसार के सिवाए, ऐसे उपक्रम का कारबार नहीं चलाएगा ;

[सं० फा० 12 (108)/अनु० नीति/73]

गुन० गुन० टण्डन, मंयुक्त सचिव ।

CORRIGENDUM

In the Ministry of Industrial Development Order No. 4/12/72-CUC, dated the 22nd November, 1973 published as S.O. 707(E)/IDRA/73, at page 2081 in the Gazette of India Extraordinary, Part II—Section 3, Sub-section (ii), dated the 22nd November, 1973, the following correction is to be made:—

At page 2081, in the 1st line of para 2—

For the words "Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with" read with the words "And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said".